भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2875 का उत्तर

उस्मानाबाद-तुलजापुर-सोलापुर रेल लाइन

2875. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) **क्या देश में ऐसे अनेक जिले हैं जहां अभी भी परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है बावजूद इसके कि देश में रेल सेवा स्वतंत्रता से पूर्व शुरू कर दी गई थी;**

(ख) **यदि हां तो सरकार द्वारा उस्मानाबाद-तुलजापुर-सोलापुर के बीच एक नई रेल लाइन बिछाने के लिए क्या कार्रवाई की गई है;**

(ग) **क्या सरकार का इस क्षेत्र के विभिन्न तीर्थ स्थलों पर आने वाले लोगों को सुविधा प्रदान करने के लिए रेल लाइन का निर्माण करने का विचार है;**

(घ) **यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**

(ङ) **यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?**

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क): नई रेलवे लाइन परियोजनाओं को जिला-वार अथवा राज्य-वार स्वीकृति नहीं दी जाती है। रेलवे परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग संपर्कों और वैकल्पिक मार्गों को जोड़ने, भीड़-भाड़ वाली / संतृप्त लाइनों के संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण आदि के आधार पर शुरु किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता के अध्यधीन होता है।

mm

(ख) से (ङ): शोलापुर से उस्मानाबाद बरास्ता तुलजापुर (84.44 किमी.) नई लाइन परियोजना को जनवरी, 2019 में 904.92 करोड़ रु. की लागत पर स्वीकृति दी गई थी तथा निर्माण कार्य शुरु कर दिया गया था। इस लाइन के पूरा होने के पश्चात, आम जनता और तुलजा भवानी मंदिर तथा इस क्षेत्र के अन्य तीर्थस्थानों के तीर्थयात्रियों के लिए रेल यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।

*****

mm